M.A. IInd Semester

Paper I (पेपर –I)

Problems of Indian Philosophy

भारतीय दर्शन की समस्याएँ

Unit-I (इकाई –I)

Vedanta

Advaita: Rejection of difference: Adhyasa, maya, three grades of satta, jiva, jivanmukti, videhmukti, vivartavada

Visistadvaita: Saguna Brahman, refutation of maya, aprthaksiddhi, Parinamavada, Jiva, bhakti and praptti

Dvaita: Rejection of nirguna braman and maya, bheda and saksi, bhakti

वेदान्त

अद्वैत : भेद निरास : अध्यास, माया, सत्ता के तीन स्तर, जीव, जीवन्मुक्ति, विदेहमुक्ति, विवर्तवाद

विशिष्टाद्वैत : सगुण ब्रह्म, माया का खण्डन, अपृथकसिद्धि, परिणामवाद, जीव, भक्ति एवं प्रपत्ति

द्वैत : निर्गुण ब्रह्म एवं माया का निराकाण, भेद तथा साक्षी, भक्ति

Unit-II (इकाई –II)

Madhava, Nimbarka and Vallabha

Brahman: Definition and interpretations, distinction between saguna and nirguna and its relevance in the formation of different schools of vedanta

Maya: Its nature, arguments for and against maya

Atman: Its nature, relation between atman and brahman, Jiva, interpretation of mahavakyas *e.g.* tat tvamasi

Moksa: Nature and types, marga or sadhana, roles played by Jnana, karma and bhakti, different conceptions of bhakti

Theories of Causation, Brahman as the cause of the world: Different interpretation, prama, pramanas, special role played by sabda pramana and intuition (Saksatkara/aparoksanubhut), theories of khyatis

मध्व, निम्बार्क तथा वल्लभ

ब्रह्म : परिभाषा तथा व्याख्याएँ, सगुण एवं निर्गुण का भेद तथा वेदान्त के विभिन्न सम्प्रदायों की संघटना में इसकी प्रासंगिकता।

माया : स्वरूप, माया की समर्थक तथा विरोधी युक्तियाँ।

आत्मा : स्वरूप, आत्मा तथा ब्रह्म का सम्बन्ध, जीव, 'तत् त्वम् असि' आदि महावाक्यों की व्याख्या।

मोक्ष : स्वरूप एवं प्रकार, मार्ग अथवा साधना, ज्ञान, कर्म और भक्ति की भूमिका, भक्ति सम्बन्धी विभिन्न अवधारणाएं।

कारणता के सिद्धान्त, जगत के कारण के रूप में ब्रह्मः विभिन्न व्याख्याएं, प्रमा, प्रमाण, शब्द प्रमाण तथा अपरोक्षानुभूति की विशिष्ट भूमिका, ख्याति के सिद्धान्त।

Unit-III (इकाई –III)

Vyavaharika and paramarthika satta

व्यावहारिक तथा पारमार्थिक सत्ता

Nitya and anitya drava, karanata

नित्य एवं अनित्य द्रव्य, कारणता

Unit-IV (इकाई – IV)

Akasa, Dik and Kala

आकाश, दिक् तथा काल

Samanya and Sambandha

सामान्य एवं सम्बन्ध

Unit-V (इकाई –V)

Cit, Acit and Atman

चित्, अचित् तथा आत्मन्

Shabd-Sangrah

शब्द–संग्रह

Recommended Books

1. डॉ. एन.के. देवराज : भारतीय दर्शन
2. डॉ. बंदिस्ट (सपा.) : भारतीय दार्शनिक निबन्ध
3. डॉ. राधाकृष्णन : भारतीय दर्शन – भाग 1 एवं 2
4. डॉ. बी.एन. सिंह : भारतीय दर्शन
5. डॉ. चन्द्रधर शर्मा : भारतीय दर्शन का सर्वेक्षण
6. डॉ. चक्रधर शर्मा : भारतीय न्यायशास्त्र
7. डॉ. अभेदानन्द : तर्कभाषा
8. R.D. Ranade : Constructive Survey of Upanisnadic Philosophy
9. Hiriyanna : An Outline of Indian Philosophy
10. Das Gupta : History of Indian Philosophy